महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्रमाणित)

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र)

Website : hindivishwa.org

विद्या-परिषद की

विशेष (37वीं) बैठक का कार्यवृत्त

दिनांक : 29 अगस्त, 2021 (रविवार)

समय : पूर्वाह्न 11.00 बजे

स्थान : ग़ालिब सभागार
विश्वविद्यालय परिसर, वर्धा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

विद्या–परिषद की विशेष (37वीं) बैठक का कार्यवृत्त

दिनांक : 29.08.2021 (रविवार)

समय : पूर्वाह्न 11:00 बजे

स्थान : ग़ालिब सभागार, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

मद सं.	विवरण	पृष्ठ सं.
1.	विश्वविद्यालय के वर्ष 2019–20 के वार्षिक गुणवत्ता सुनिश्चायन रिपोर्ट	3
2.	बी.ए.एलएल.बी (ऑनर्स) पंचवर्षीय पाठ्यक्रम की कार्योत्तर स्वीकृति	
3.	विद्यार्थी प्रतिनिधियों से प्राप्त सुझाव	4

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

विद्या–परिषद की विशेष (37वीं) बैठक का कार्यवृत्त

स्थान : **ग़ालिब सभागार**
विश्वविद्यालय परिसर, वर्धा

दिनांक : **29 अगस्त, 2021 (रविवार)**

समय : **पूर्वान्ह 11:00 बजे**

विद्या–परिषद की विशेष (37वीं) बैठक कुलपति की अध्यक्षता में दिनांक 29.08.2021 (रविवार) को पूर्वान्ह 11.00 बजे साहित्य विद्यापीठ के ग़ालिब सभागार में आयोजित हुई।

बैठक में निम्नानुसार उपस्थिति थी:

1.	प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल	कुलपति एवं अध्यक्ष
2.	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल	अधिष्ठाता : भाषा विद्यापीठ अधिष्ठाता : अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ निदेशक : विदेशी भाषा एवं अंतराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र विभागाध्यक्ष, अनुवाद अध्ययन विभाग विभागाध्यक्ष, प्रवासन एवं डायस्पोरा विभाग
3.	प्रो. चंद्रकांत एस. रागीट	प्रतिकुलपति निदेशक, सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र
4.	प्रो. मनोज कुमार	अधिष्ठाता, शिक्षा विद्यापीठ अधिष्ठाता, प्रबंधन विद्यापीठ अधिष्ठाता, विधि विद्यापीठ अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ कुलानुशासक निदेशक, म.गां.फ्यु.गुरूजी सामाजिक कार्य अ. केंद्र विभागाध्यक्ष, मानव विज्ञान विभाग विभागाध्यक्ष, इतिहास, राजनीति विज्ञान एवं समाजशास्त्र विभाग
5.	प्रो. अवधेश कुमार	अधिष्ठाता, साहित्य विद्यापीठ अधिष्ठाता, छात्र कल्याण विभागाध्यक्ष, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग विभागाध्यक्ष, मराठी, संस्कृत और प्रदर्शनकारी कला विभाग
6.	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग
7.	प्रो. प्रीति सागर	प्रोफ़ेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग **(ऑनलाइन)**

8.	प्रो. फरहद मलिक	प्रोफेसर, मानव विज्ञान विभाग
9.	प्रो. अखिलेश कुमार दुबे	प्रोफेसर एवं अकादमिक निदेशक, क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज **(ऑनलाइन)**
10.	प्रो. शिरीष पाल सिंह	प्रोफेसर, शिक्षा विभाग
11.	प्रो. हरीश अरोड़ा	प्रोफेसर, दूर शिक्षा निदेशालय **(ऑनलाइन)**
12.	प्रो. लेला कारूण्यकरा	निदेशक, डॉ. बाबासाहब अंबेडकर, सिदो कान्हू मुर्मु दलित एवं जनजाति अध्ययन केंद्र **(ऑनलाइन)**
13.	प्रो. कृपाशंकर चौबे	विभागाध्यक्ष, जनसंचार विभाग **(ऑनलाइन)**
14.	प्रो. गोपाल कृष्ण ठाकुर	विभागाध्यक्ष, शिक्षा एवं मनोविज्ञान विभाग **(ऑनलाइन)**
15	प्रो. चतुर्भुज नाथ तिवारी	विभागाध्यक्ष, विधि विभाग
16.	डॉ. मनोज कुमार राय	विभागाध्यक्ष, गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग **(ऑनलाइन)**
17.	डॉ. रविंद्र तु. बोरकर	विभागाध्यक्ष, वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग
18.	डॉ. सुप्रिया पाठक	विभागाध्यक्ष, स्त्री अध्ययन विभाग
19.	डॉ. जयंत उपाध्याय	विभागाध्यक्ष, दर्शन एवं संस्कृति विभाग
20.	प्रो. गोविंद प्रसाद शर्मा	बाह्य–विशेषज्ञ **(ऑनलाइन)**
21.	प्रो. कुमुद शर्मा	बाह्य–विशेषज्ञ **(ऑनलाइन)**
22.	प्रो. राज नारायण शुक्ल	बाह्य–विशेषज्ञ **(ऑनलाइन)**
23.	प्रो. एम. वेंकटेश्वर	बाह्य–विशेषज्ञ **(ऑनलाइन)**
24.	डॉ. रामानुज अस्थाना	एसोशिएट प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग **(ऑनलाइन)**
25.	डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी	एसोशिएट प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग
26.	डॉ. एच.ए.हुनगुंद	एसोशिएट प्रोफेसर, भाषा विज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग
27..	डॉ. अनिर्वाण घोष	सहायक प्रोफेसर, विदेशी भाषा एवं अंतरराष्ट्रीय अ.कें.
28.	श्री शरद जायसवाल	सहायक प्रोफेसर, स्त्री अध्ययन विभाग
29.	डॉ. बीर पाल सिंह यादव	सहायक प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग
30	डॉ. अख्तर आलम	सहायक प्रोफेसर, जनसंचार विभाग **(ऑनलाइन)**
31.	डॉ. अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी	भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि **(ऑनलाइन)**
32.	डॉ. उमा यादव	भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि **(ऑनलाइन)**
33.	श्री वैभव उपाध्याय	छात्र प्रतिनिधि
34.	श्री क़ादर नवाज़ ख़ान	कुलसचिव एवं पदेन सचिव

विद्या–परिषद के सहयोग के लिये अधोलिखित अधिकारी उपस्थित रहे :

श्री सुशील पखिडे	सहायक कुलसचिव
डॉ. राजेश्वर सिंह	सहायक कुलसचिव
श्री राजेश अरोड़ा	सहायक कुलसचिव
श्री विनोद वैद्य	सहायक कुलसचिव (ऑनलाइन)
श्री के.के.त्रिपाठी	सहायक कुलसचिव

मद संख्या–1

विश्वविद्यालय के वर्ष 2019–20 के वार्षिक गुणवत्ता सुनिश्चायन रिपोर्ट

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC), बैंगलुरू से प्राप्त निर्देशानुसार सभी उच्च शिक्षा संस्थानों को प्रतिवर्ष वार्षिक गुणवत्ता सुनिश्चायन रिपोर्ट विश्वविद्यालय के सांविधिक निकाय से अनुमोदित करवाकर जमा करवाना अनिवार्य है।

विश्वविद्यालय की वर्ष 2019–20 की वार्षिक गुणवत्ता सुनिश्चायन रिपोर्ट विद्या–परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

निर्णयः विद्या–परिषद ने वार्षिक गुणवत्ता सुनिश्चायन रिपोर्ट में भविष्य में आवश्यक परिवर्धन के लिए कुलपति को अधिकृत करते हुए स्वीकृति प्रदान की।

मद संख्या–2

बी.ए.एलएल.बी (ऑनर्स) पंचवर्षीय पाठ्यक्रम की कार्योत्तर स्वीकृति

बार काउंसिल ऑफ इंडिया से प्राप्त अनुमोदन के अनुसरण में अकादमिक वर्ष 2021–22 से विधि विद्यापीठ के अंतर्गत बी.ए.एल.एल.बी (ऑनर्स) पंचवर्षीय पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु विवरणिका जारी की गई है। पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रारंभिक विवरण व प्रक्रिया बार काउंसिल ऑफ इंडिया के Part-IV Rules of Legal Education के नियमों के अनुसार है जो विद्या–परिषद के अवलोकन एवं कार्योत्तर स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया गया।

कुल सीटें	66
पात्रता	10+2 अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण अनारक्षित वर्ग 45%, अन्य पिछड़ा वर्ग 42% तथा अनुसूचित जाति व जनजाति 40% अंकों के साथ उत्तीर्ण
आयुसीमा	01 जुलाई 2021 को अधिकतक 22 वर्ष
क्रेडिट	30 प्रति सेमेस्टर (कुल 300 क्रेडिट)
कार्यक्रम पूर्ण करने की अवधि	10 वर्ष

निर्णयः विद्या–परिषद ने बी.ए.एल.एल.बी (ऑनर्स) पंचवर्षीय पाठ्यक्रम की प्रवेश प्रक्रिया चलाने की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की।

मद संख्या–3

विद्यार्थी प्रतिनिधियों से प्राप्त सुझाव

विद्या–परिषद में नामित विद्यार्थी प्रतिनिधियों से कुछ सुझाव प्राप्त हुए जो निम्नानुसार हैं:

1. समस्त विभाग के अध्ययन मंडल में नामित होने वाले दो बाह्य विशेषज्ञों में से एक अकादमिक क्षेत्र तथा दूसरा व्यवसाय क्षेत्र (रोजगार)होना प्रासंगिक होगा। इससे संबंधित विषय/विभाग को अकादमिक मार्गदर्शन के साथ–साथ रोजगार प्राप्त होगा।
2. तरंग माध्यम से आवश्यकता एवं प्रासंगिकता को देखते हुए पी–एच.डी. प्रबंध (मूल्यांकन हेतु) जमा करने (सॉफ्ट कॉपी अपलोड करने) की व्यवस्था की जानी चाहिये। इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल एक उपयोगी विकल्प उपयोगी हो सकता है। इससे शोध मूल्यांकन की प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी प्रतीत होगी।

निर्णयः अध्यक्ष ने अध्ययन मंडल में भूतपूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि भी अकादमिक तथा व्यवसाय क्षेत्र से जुड़े हुए हो यह व्यवस्था दी। विद्या–परिषद ने विद्यार्थी प्रतिनिधि से प्राप्त सुझावों को स्वीकृति प्रदान की।

धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

कादर नवाज़ 29/08/21

(क़ादर नवाज़ ख़ान)

कुलसचिव एवं पदेन सचिव : विद्या–परिषद

म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा